

# ॐ जय जगदीश हरे आरती Lyrics in Hindi

ॐ जय जगदीश हरे,  
स्वामी जय जगदीश हरे ।  
भक्त जनों के संकट,  
दास जनों के संकट,  
क्षण में दूर करे ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे... ॥

जो ध्यावे फल पावे,  
दुःख बिनसे मन का,  
स्वामी दुःख बिनसे मन का ।  
सुख सम्पति घर आवे,  
सुख सम्पति घर आवे,  
कष्ट मिटे तन का ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे... ॥

मात पिता तुम मेरे,  
शरण गहूं किसकी,  
स्वामी शरण गहूं मैं किसकी ।  
तुम बिन और न दूजा,  
तुम बिन और न दूजा,  
आस करूं मैं जिसकी ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे... ॥

तुम पूरण परमात्मा,  
तुम अन्तर्यामी,  
स्वामी तुम अन्तर्यामी ।  
पारब्रह्म परमेश्वर,  
पारब्रह्म परमेश्वर,  
तुम सब के स्वामी ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे... ॥

तुम करुणा के सागर,  
तुम पालनकर्ता,  
स्वामी तुम पालनकर्ता ।  
मैं मूरख फलकामी,  
मैं सेवक तुम स्वामी,  
कृपा करो भर्ता ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे... ॥

तुम हो एक अगोचर,  
सबके प्राणपति,  
स्वामी सबके प्राणपति ।  
किस विधि मिलूं दयामय,  
किस विधि मिलूं दयामय,  
तुमको मैं कुमति ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे... ॥

दीन-बन्धु दुःख-हर्ता,  
ठाकुर तुम मेरे,  
स्वामी रक्षक तुम मेरे ।

अपने हाथ उठाओ,  
अपने शरण लगाओ,  
द्वार पड़ा तेरे ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे... ॥

विषय-विकार मिटाओ,  
पाप हरो देवा,  
स्वामी पाप(कष्ट) हरो देवा ।  
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,  
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,  
सन्तन की सेवा ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे... ॥

ॐ जय जगदीश हरे,  
स्वामी जय जगदीश हरे ।  
भक्त जनों के संकट,  
दास जनों के संकट,  
क्षण में दूर करे ॥